L-51 Political Science राजनीति विज्ञान Dr. Avinash Kumar

शक्ति की अवधारणा : अर्थ और परिभाषा (The concept of Power: Meaning and Definitions) - राजनीतिशास्त्र के अध्ययन में शक्ति एक प्रमुख संकल्पना है, जहां तक राजनीति के संघर्ष को सुलझाने का प्रश्न है तो किसी राजनीतिक समुदाय के अन्तर्गत शक्ति का वितरण ही यह तय करता है किस प्रकार संघर्ष को सुलझाया जाना है और क्या सभी पक्ष संघर्ष सुलझाने की शर्तों का पालन करेंगे। जब हम शक्ति की चर्चा करते हैं तो हमारे मस्तिष्क में यह स्पष्ट होना चाहिए कि हम 'राजनीतिक शक्ति' (Political Power) की चर्चा कर रहे हैं और 'राजनीतिक शक्ति' बल प्रयोग नहीं है। राबर्ट बायर्सटेड के अनुसार, "शक्ति बल प्रयोग की योग्यता है, न कि उसका वास्तविक प्रयोग।" मैकाइवर ने कहा है कि "शक्ति होने से हमारा अर्थ व्यक्तियों या व्यक्तियों के व्यवहार को नियंत्रित करने, विनियमित करने या निर्देशित करने की क्षमता से है। मॉर्गेन्थो ने "शक्ति में उस प्रत्येक वस्तु को शामिल किया है, जिसके द्वारा मनुष्य के ऊपर नियन्त्रण स्थापित किया जाता एवं बनाए रखा जाता है। गोल्डहैमर तथा शिल्स के कथनानुसार, "एक व्यक्ति को उतना ही शक्तिशाली कहा जाता है जितना कि वह अपने लक्ष्यों के अनुरूप दूसरों के व्यवहार को प्रभावित कर सकता है।" लासवेल, कैपलन और हरबर्ट साइमन ने शक्ति को प्रभाव प्रक्रिया (Influence Process) के रूप में परिभाषित किया है। इसके मतानुसार शक्ति का उपयोग करते समय स्वयं की अथवा दूसरों की नीतियों को प्रभावित किया जाता है और इस प्रक्रिया में प्रभाव डालने वाले तथा प्रभावित होने वाले के बीच घनिष्ठ सम्बन्ध रहता है। रॉबर्ट ए. डहल के अनुसार शक्ति लोगों के पारस्परिक सम्बन्धों की एक ऐसी विशेष स्थिति का नाम है, जिसके अन्तर्गत एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष को प्रभावित कर उससे कुछ ऐसे कार्य कराये जा सकते हैं जो उसके द्वारा अन्यथा न किए जाते। Avinash

लासवेल और कैपलन की उपर्युक्त धारणाओं के अन्तर्गत शक्ति को प्रभाव का पर्यायवाची माना गया है। कुछ परिस्थितियों में यह सत्य होता है, लेकिन सभी परिस्थितियों में नहीं। शक्ति और प्रभाव एक ही व्यक्ति में पाए जा सकते हैं और इनमें मतभेद भी हो सकता है। हिटलर और चंगेज एवं केवल शक्ति के प्रतीक थे किन्तु नेपोलियन और लिंकन, आदि में शक्ति और प्रभाव दोनों के दर्शन किए जा सकते हैं। शक्ति और प्रभाव दोनों प्रभावित व्यक्ति के व्यवहार को परिवर्तित परिवर्तित करते हैं, किन्तु वह व्यक्ति शक्ति के कारण परिवर्तित हुआ या प्रभाव के कारण इसका निर्णय स्वयं वही कर सकता है। वास्तव में शक्ति मानव जीवन का एक सरल तत्व होने के स्थान पर बहुत अधिक जटिल और मैकाइवर के अनुसार एक बहुपक्षीय तत्व है। उदाहरण के लिए, जब यह कहा जाता है कि प्रधानमन्त्री की मन्त्रिमण्डल पर कुछ शक्तियां है, तो यह कथन पूर्णतया निरर्थक न होते हुए भी बहुत अधिक उपयोगी नहीं है। शक्ति का सही रूप जानने के लिए अनेक बातों का उल्लेख करना होगा। उदाहरण के लिए, प्रधानमन्त्री की शक्ति का स्रोत, क्षेत्र एवं आधार क्या है, मन्त्रिमण्डल पर अपनी शक्ति का प्रयोग करने के लिए प्रधानमन्त्री द्वारा कौन-कौन से साधन अपनाए जाते हैं, मन्त्रिमण्डल पर उसकी शक्ति की मात्रा कितनी है तथा यह शक्ति कितनी व्यापक है।

Avinash